पंजीकरण सं. आर.एन. 40596/83 डाक पंजी. संख्या-जी-3-डी.एल. (एन.)/084/2018-20 प्रकाशितः 01.07.2019 इस अंक का मूल्य 2 रूपये

।। ओ३म् ।।

युवा उद्घोष

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत) का पाक्षिक शंखनाद

Join—http://www.facebook.com/groups/aryayouth/

कार्यालय : आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली-110007, चलभाष : 9810117464, 9868051444

दिल्ली चलो आर्य युवको
केन्द्रीय आर्य युवक परिषद्
41वां राष्ट्रीय अधिवेशन
रविवार, 1 सितम्बर 2019,
प्रातः 9 बजे से सायं 5 बजे तक
स्थानः योग निकेतन सभागार,
पश्चिमी पंजाबी बाग,दिल्ली

वर्ष-36 अंक-03 आषाढ़-2076 दयानन्दाब्द 196 01 जुलाई से 15 जुलाई 2019 (प्रथम अंक) कुल पृष्ठ 4 वार्षिक शुल्क 48 रु.
प्रकाशितः 01.07.2019, E-mail : yuva.udghosh1982@gmail.com aryayouthgroup@yahoogroups.com Website : www.aryayuvakparishad.com

आठ दिवसीय ''राष्ट्रीय आर्य युवक व्यक्तित्व विकास शिविर'' का समापन

संस्कारित व अनुशासित युवा पीढ़ी से ही राष्ट्र का भविष्य – आनन्द चौहान
अपनी भारतीय संस्कृति पर गर्व करना सीखें युवा – अनिल आर्य

समारोह अध्यक्ष श्री आनन्द चौहान व मृदुला चौहान का अभिनन्दन करते राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य, महेन्द्र भाई, प्रवीन आर्या, प्रवीन आर्य, एस.सी.ग्रोवर व ओम सपरा।

रविवार, 16 जून 2019, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद्, नई दिल्ली के तत्वावधान में शिक्षाविद् डा. अशोक कुमार चौहान के सान्निध्य में गत् 8 जून से ऐमिटी इन्टरनेशनल स्कूल, सैक्टर–44, नोएडा में चल रहे ''विशाल आर्य युवक चरित्र निर्माण व व्यक्तित्व विकास शिविर'' का भव्य समापन हो गया। शिविर में 250 किशोर व युवकों ने प्रातः 4 बजे से रात्री 10 बजे तक अनुशासित दिनचर्या में रहकर नैतिक शिक्षा, योगासन, दण्ड–बैठक, लाठी, तलवार, जूडो–कराटे, बाक्सिंग, स्तूप, डम्बल, लेजियम, सन्ध्या–यज्ञ, भाषण कला, नेतृत्व कला, देश भक्ति की भावना, भारतीय संस्कृति की महानता पर शिक्षकों व वैदिक विद्वानों से बौद्धिक व शारीरिक प्रशिक्षण प्राप्त किये।

समारोह अध्यक्ष श्री आनन्द चौहान (निदेशक, ऐमिटी शिक्षण संस्थान) ने कहा कि चरित्रवान आर्य युवा ही देश व विश्व को बदल सकते हैं। संस्कारित व अनुशासित युवाओं पर ही राष्ट्र व समाज का भविष्य निर्भर करता है। देश के उत्थान व प्रगति में चरित्र निर्माण शिविरों का अपना विशेष महत्व है। आर्य समाजों को इसके ओर अधिक प्रचार प्रसार पर ध्यान देना चाहिये। उन्होंने कहा कि महर्षि दयानन्द के आदर्शो पर चलकर ही विश्व का कल्याण हो सकता है।

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि महर्षि दयानन्द महान क्रान्तिकारी थे, उन्होंने वैचारिक सोच बदल कर लोगों के सोचने की दिशा ही बदल डाली, उनके समाज व राष्ट्र उत्थान के कार्यो को कभी भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि आज हिन्दुओं को एक जुट होने की आवश्यकता है, हिन्दू समाज के संगठित होने से राष्ट्र स्वतः मजबूत हागा। आज महर्षि दयानन्द के विचारों पर चलकर ही हम पूरे विश्व का नवनिर्माण कर सकते हैं, आज पूरे विश्व का योग दिवस मनाना उसी दिशा में एक कदम है।

मेजर जनरल (रिटा.) आर.एस.भाटिया ने कहा कि शिविर में प्रशिक्षित युवकों को अब समाज में व्याप्त अन्धविश्वास, पाखण्ड व सामाजिक कुरीतियों को मिटा कर एक अच्छे समाज की संरचना का कार्य करना है। उन्होंने कहा कि महर्षि दयानन्द समग्र क्राान्ति के अग्रदूत थे उनके स्वपनों के भारत का निर्माण युवा पीढ़ी को ही करना है।

आचार्य महेन्द्र भाई ने कहा कि यह युवक समाज में जाकर राष्ट्रीय एकता व अखण्डता के लिए कार्य करेंगे, उन्होंने युवकों से जातिवाद व प्रान्तवाद से ऊपर उठकर समाज को जोडने व सामाजिक समरसता के लिए कार्य करने का आह्वान किया। आचार्य भानुप्रकाश शास्त्री (बरेली), प्रवीन आर्या के मधुर भजन हुए। प्रधान शिक्षक योगेन्द्र शास्त्री, सौरभ गुप्ता, वीरेन्द्र आर्य, प्रदीप आर्य, शिवम मिश्रा, गौरव गुप्ता, हिमांशु आर्य के निर्देशन में आर्य युवको के भव्य व आकर्षक व्यायाम प्रदर्शन के कार्यक्रम हुए। इस अवसर पर आर्य नेत्री मृदुला चौहान, ओम सपरा, गायत्री मीना, एस.सी.ग्रोवर, प्रवीन आर्य (गाजियाबाद), यशोवीर आर्य, रामकुमारसिंह, सुरेश आर्य, के.एल.राणा, अरूण आर्य, अमीरचन्द रखेजा, के. के. यादव, डा. गजराज सिंह आर्य, वीरेश भाटी, डा. डी. के. गर्ग, ओमप्रकाश पाण्डेय, विद्याभूषण आर्य, जितेन्द्रसिंह आर्य, वीना थरेजा, डा.आर. के.आर्य, राकेश भटनागर, अशोक जेठी, माधवसिंह आर्य, त्रिलोक शास्त्री प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

शिविर में सर्वप्रथम शिविरार्थी चन्दनदास (अरूण विहार, नोएडा), सर्वद्वितीय विभु शर्मा (बाली नगर, दिल्ली), सर्वतृतीय कुणाल (बादली, दिल्ली) पुरस्कृत किये गये। परिषद् के तत्वावधान में ग्रीष्मकालीन अवकाश में 20 शिविर विभिन्न स्थानों पर चल रहे हैं।

ऐमिटी कैम्पस, सैक्टर–44, नोएडा के मैदान में आर्य युवक शिविरार्थी

तीन तलाक के विरूद्ध कानून बनना जरूरी

— अवधेश कुमार

राष्ट्रपति के अभिभाषण में तीन तलाक और हलाला की स्पष्ट चर्चा का मतलब ही था कि सरकार इसके खिलाफ फिर से विधेयक लाने की तैयारी कर चुकी है। इसलिए विधि मंत्री रविशंकर प्रसाद ने 17वीं लोकसभा में जब अपने पहले विधेयक के रूप में 'मुस्लिम महिला (विवाह अधिकार संरक्षण) विधेयक 2019' पेश किया तो किसी को आश्चर्य नहीं हुआ। लेकिन पूरा दृश्य लगभग दिसंबर 2018 वाला ही था। विपक्ष की ओर से इसके विरोध में वही सारे तर्क दिए गए जो पहले दिए जा चुके थे। किंतु इस बार सबसे पहले इसे लाए जाने के तरीके का ही विरोध किया गया। अंततः लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने पेपर स्लिप से वोटिंग कराई और 74 के मुकाबले 186 मतों के समर्थन से विधेयक पेश हुआ। इस स्थिति में यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि अगर विधेयक पेश करने में ही बाधा आई एवं मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस सहित कई दलों ने इसका तीखा विरोध किया तो फिर इसका भविष्य क्या होगा? क्या इसकी दशा फिर पूर्व की भांति होगी? सरकार के पिछले कार्यकाल में यह लोकसभा में पारित हो गया लेकिन राज्यसभा में लंबित रह गया। इस कारण इसे अध्यादेश के रुप में कायम रखा गया। प्रश्न यह भी है कि क्या इसके विरोध में जो तर्क दिए जा रहे हैं वे वाकई स्वीकार्य हैं या केवल राजनीतिक नजरिए से विरोध के लिए विरोध किया जा रहा है?

एआईएमएम के सांसद असदुद्दीन ओवैसी का विरोध और तर्क जाना हुआ है। उनका विरोध मुख्यतः पांच पहलुओं पर है। एक, तलाक सिविल मामला है। इसे अपराध बनाना गलत है। दो, अगर उच्चतम न्यायालय ने फैसला दे दिया कि एक साथ तीन तलाक से तलाक हो नहीं सकता तो फिर कानून क्यों? तीन, पति को जेल में डाल देंगे तो महिला को गुजारा-भत्ता कौन देगा? चार, यह मौलिक अधिकारों की धारा 14 और 15 का उल्लंघन है। पांच, यह हिन्दू और मुसलमानों में भेद करता है। इस बार कांग्रेस के सांसद शशि थरुर ने लोकसभा में पार्टी का मत रखा। थरूर ने कहा कि मैं तीन तलाक को खत्म करने का विरोध नहीं करता लेकिन इस विधेयक का विरोध कर रहा हूं। तीन तलाक को आपराधिक बनाने का विरोध करता हूं। मुस्लिम समुदाय ही क्यों, किसी भी समुदाय की महिला को अगर पति छोड़ता है तो उसे आपराधिक क्यों नहीं बनाया जाना चाहिए। सिर्फ मुस्लिम पतियों को सजा के दायरे में लाना गलत है। यह समुदाय के आधार पर भेदभाव है। कांग्रेस ने पिछली बार लोकसभा में बहिगर्मन किया था। इस बार वह जिस तरह विरोध कर रही है उसमें कहना कठिन है कि जिस दिन इसे पारित करने के लिए रखा जाएगा तो वह मतदान में भाग लेगी या बहिगर्मन करेगी।

इन सारे विरोधों को सच की कसौटी पर कसिए। तलाक अवश्य सिविल मामला है। इस्लाम में तीन तलाक के दो प्रकार मान्य हैं, तलाक-ए-हसन और तलाक-ए-अहसन। एक साथ तीन तलाक यानी तलाक-ए-विद्दत मान्य नहीं है। उच्चतम न्यायालय ने 23 अगस्त 2017 को 395 पृष्ठों के अपने ऐतिहासिक फैसले इसके मजहबी, संवैधानिक, सामाजिक सारे पहलुओं पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए इसे गैर मजहबी एवं असंवैधानिक करार दिया था। असदुद्दीन ओवैसी जिस अक्वल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लौ बोर्ड का प्रतिनिधित्व करते हैं उसने तथा जमियत-ए-उलेमा-ए हिन्द ने तलाक ए विद्दत के पक्ष में जितने तर्क दिए न्यायालय ने सबको खारिज कर दिया। इसने कई तर्क दिए थे। जैसे यह पर्सनल लौ का हिस्सा है और इसलिए न्यायालय इसमें दखल नहीं दे सकता। तलाक के बाद उस पत्नी के साथ रहना पाप है और सेक्यूलर न्यायालय इस पाप के लिए मजबूर नहीं कर सकता। पर्सनल लॉ को मौलिक अधिकारों की कसौटी पर नहीं परखा जा सकता। यह आस्था का विषय है, संवैधानिक नैतिकता और बराबरी का सिद्धांत इस पर लागू नहीं होगा। पर्सनल लौ बोर्ड ने तो यह तर्क भी दिया कि इसे इसलिए जारी रखा जाए ताकि कोई पति पत्नी से गुस्सा होकर उसकी हत्या न कर दे। इसने महिलाओं की कम समझ होने का हास्यास्पद तर्क भी दिया। न्यायालय ने इन सारी दलीलों को ठुकरा दिया तो ये विरोध के लिए अलग कुतर्क ले आए हैं। न्यायलय ने साफ कर दिया कि इस्लाम में इसे कहीं मान्यता नहीं है।

कहने का तात्पर्य यह कि अगर यह इस्लाम में मान्य नहीं है, गैर कानूनी भी है तो फिर यह सिविल मामला नहीं हो सकता। कोई व्यक्ति अपनी झनक, अहम् या वासना में एक महिला को क्षण भर में तलाक-तलाक-तलाक कहकर उसे पत्नी के अधिकारों से वंचित करता है तो यह स्पष्ट तौर पर आपराधिक कृत्य है। एक आपराधिक कृत्य के खिलफ़ अपराध कानून ही बनाया जा सकता है। हां, अगर इस्लाम में मान्य तरीके से तीन तलाक होता है तो वह सिविल है और उसमें यह कानून लागू नहीं हो सकता। सभी समुदायों को शामिल करने का तर्क हास्यास्पद है। तीन तलाक या तलाक-ए-विद्दत केवल इस्लाम में है तो इसमें दूसरे समुदाय को कैसे शामिल किया जा सकता है। हिन्दुओं में तलाक लेने के लिए पूरी कानूनी प्रक्रिया है जिसका बिना पालन किए आप पत्नी को उसके अधिकारों से बेदखल करते हैं तो सजा के भागीदार हैं। उच्चतम न्यायालय ने एक साथ तीन तलाक को अमान्य करार दिया लेकिन उसके बाद भी ऐसा हो रहा है तो क्या किया जाए? परित्यक्त पत्नियां थाने जातीं हैं लेकिन पुलिस के पास ऐसा कानून नहीं जिसके तहत वह मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई करे। जैसा लोकसभा में बताया गया 2017 से तीन तलाक के 543 मामले, उच्चतम न्यायालय के फ़ैसले के बाद 239 मामले, अध्यादेश के बाद भी 31 मामले सामने आए। जिस समय उच्चतम न्यायालय का फैसला आया उस समय सरकार का मत भी यही था कि घरेलू हिंसा कानून से काम चल जाएगा। किंतु अनुभव आया कि यह पर्याप्त नहीं है। इसलिए कानून अपरिहार्य है। मौलिक अधिकारों की धारा 14 कानून के समक्ष समानता तथा धारा 15 लिंग, मजहब, नस्ल, जाति आदि के आधार पर भेदभाव का निषेध करता है। सच कहा जाए तो यह कानून महिलाओं को न्याय दिलाकर इन धाराओं का पालन करने वाला है।

यह भी ध्यान रखने की बात है कि विपक्ष के विरोध एवं सुझावों के अनुरुप मूल विधेयक में कुछ बदलाव किए गए। वर्तमान विधेयक के अनुसार प्राथमिकी तभी स्वीकार्य की जाएगी जब पत्नी या उसके नजदीकी खून वाले रिश्तेदार दर्ज कराएंगे। विपक्ष और कई संगठनों की चिंता थी कि प्राथमिकी का कोई दुरुपयोग कर सकता है। दूसरे, पति और पत्नी के बीच पहल होती है तो मैजिस्ट्रेट समझौता करा सकते हैं। तीन, तत्काल तीन तलाक गैरजमानती अपराध बना रहेगा लेकिन अब इसमें ऐसी व्यवस्था कर दी गई है कि मजिस्ट्रेट पीड़िता पत्नी का पक्ष सुनने के बाद वाजिब वजहों के आधार पर जमानत दे सकते हैं। विधेयक के अनुसार मुकदमे का फ़ैसला होने तक बच्चा मां के संरक्षण में ही रहेगा। आरोपी को उसका भी गुजारा देना होगा। यह तर्क विचित्र है कि अगर पति को जेल हो गया तो गुजारा भत्ता कौन देगा? मूल प्रश्न है कि किसी निर्दोष, निरपराध पत्नी के खिलफ़ इस्लाम विरोधी अमानवीय कृत्य और अपराध करने वाले व्यक्ति को सजा क्यों नहीं होनी चाहिए? इस्लाम में निकाह बिल्कुल पारदर्शी व्यवस्था है जिसमें दो वयस्कों की सहमति से उपस्थित लोगों और काजी के सामने अनुबंध को साकार किया जाता है। इस तरह के सामाजिक, धार्मिक और विधिक अनुबंध को बिना किसी रस्म के अंत करने का अपराध करने वालों को तो कड़ी से कड़ी सजा होनी चाहिए। इसी से भय पैदा होगा एवं दूसरे सनकी सजा के भय से ऐसा करने से परहेज करेंगे। कड़ा कानून ऐसे सामाजिक-धार्मिक अपराधों में भय निरोधक की भूमिका निभाता है।

अब प्रश्न है इस विधेयक के भविष्य का। लोकसभा में कोई समस्या है नहीं। राज्यसभा में इस समय 236 सदस्य हैं। बहुमत के लिए 119 सदस्यों का समर्थन चाहिए। इस समय राजग की संख्या इस प्रकार है- भाजपा 75, अन्नाद्रमुक 13, जदयू 6, अकाली दल-शिवसेना-नामित 3-3, आरपीआई-एजीपी 1-1। इसमें दो निर्दलीय अमर सिंह और सुभाष चंद्रा को मिलाकर 107 हो जाती है। 5 सदस्यों वाले बीजद ने सरकार के साथ रचनात्मक सहयोग की घोषणा की है। दो सदस्यों वाले वाईएसआर कांग्रेस का समर्थन भी मिल जाएगा। 6 सदस्यों वाले टीआरएस का रुख सफ़ नहीं है लेकिन सरकार बात कर रही है। 1-1 सदस्यों वाले एनपीएफ़ और बीपीएफ को साथ लाने में समस्या नहीं है। इस विधेयक के पारित होने के बीच ही होने वाले राज्य सभा चुनावों में भाजपा को 3 सीटें मिलना तय है। जद यू सहित विरोध करने वाले कुछ दूसरे दलों को बहिर्गमन कराकर सरकार विधेयक को पारित करा सकती है। तो इस बार एक साथ तीन तलाक पर उच्चतम न्यायालय के ऐतिहासिक फैसले को मूर्त रुप देने वाले विधेयक के कानून में परिणत होने की संभावना पहले से ज्यादा प्रबल है। अगर ऐसा हुआ, जिसकी संभावना है तो यह कानून के द्वारा महिलाओं को न्याय दिलाने वाले एक सामाजिक क्रांति का आधार बन जाएगा।

-ई:30, गणेश नगर, पांडव नगर कॉम्प्लेक्स,
दिल्ली: 110092, मोबाइल: 9811027208

शोक समाचार: विनम्र श्रद्धांजलि

1. श्री वेद मलिक (आर्य समाज, ग्रेटर कैलाश, पार्ट-2) का निधन।
2. स्वामी सत्यमित्रानन्द जी (संस्थापक, भारत माता मन्दिर, हरिद्धार) का निधन।
3. श्रीमती विद्यावती गौतम (कानपुर देहात) का निधन।
4. श्री सुरेन्द्रपाल भाटिया (पूर्व प्रधान, आर्य समाज, द्धारका) का निधन।
5. श्री बालकृष्ण शास्त्री बल्लभगढ़ की धर्मपत्नि का निधन।
6. श्री प्रवेश तलवार (अनुज भ्राता रविन्द्र तलवार, चण्डीगढ़) का निधन।

जम्मु कश्मीर की वादियां ओ३म् के जयकारों से गूंज उठी
आठ दिवसीय आर्य युवा व्यक्तित्व विकास शिविर का भव्य समापन

राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभायँगे आर्य युवा–राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

मंगलवार 25 जून 2019,जम्मु के शिविर समापन समारोह में परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य का स्वागत करते प्रान्तीय अध्यक्ष सुभाष बब्बर,प्रान्तीय महामंत्री रमेश खजुरिया,पूनम,प्रवीन आर्या,रूही बब्बर व कपिल बब्बर व सामने रामलीला मैदान जानीपुर में आर्य युवक शिविरार्थी।

मंगलवार 25 जून 2019, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद जम्मू कश्मीर के तत्वावधान में प्रान्तीय अध्यक्ष सुभाष बब्बर की अध्यक्षता में आर्य समाज जानीपुर कॉलोनी जम्मू में गत 17 जून से चल रहे आर्य युवा चरित्र निर्माण शिविर का भव्य समापन हो गया। शिविर में 170 बालक बालिकाओं ने योगासन, लाठी, जूडो कराटे, स्तूप, लेजियम, डम्बल आदि का व आत्म रक्षा शिक्षण प्राप्त किया। कार्यक्रम का शुभारंभ आचार्य विद्या भानु शास्त्री ने यज्ञ करवा कर किया।

दिल्ली से पधारे केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा की यह चरित्रवान युवा राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभायँगे और राष्ट्र विरोधी ताकतों का मुंह तोड़ जवाब देंगे। उन्होंने कहा कि आर्य समाज का उद्देश्य संस्कारित आदर्श युवा पीढ़ी का निर्माण करना है जो माता पिता की आज्ञाकारी हो, ईश्वर भक्त व देश भक्ति से परिपूर्ण हो। समाज मे बढ़ते पाखंड अंधविश्वास कुरीतियों साथ ही नशे के विरुद्ध जनजागरण करेंगे। भाजपा नेता पूर्व विधायक सत शर्मा ने कहा की महर्षि दयानंद ने आजादी की लड़ाई में अमूल्य योगदान दिया और उनसे प्रेरणा पाकर हजारों लोग आजादी के आंदोलन में कूद पड़े हमें उनके आदर्शों को जीवन में अपनाना चाहिए। समारोह का कुशल संचालन रूही बब्बर ने किया। प्रवीन आर्या (दिल्ली), अरुण आर्य (जम्मू), सरस्वती आर्या ने मधुर भजन प्रस्तुत किये। इस अवसर पर समाजसेवी मनोहर बब्बर, उपमहापौर पूर्णिमा शर्मा, प्रान्तीय महामंत्री रमेश खजुरिया, मुकेश मैनी, कपिल बब्बर, रोशन आर्य (लंबेडी), विधाशु शास्त्री, पार्षद सुरेंदर शर्मा, सुनीता गुप्ता आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। मुख्य शिक्षक सौरभ गुप्ता, योगेन्द्र शास्त्री, गौरव सिंह, प्रगति, करुणा शर्मा, सरस्वती ने प्रशिक्षण प्रदान किया। जम्मू व आसपास के सैंकड़ों आर्य जनों ने कार्यक्रम का आनंद लिया और ऋषि लंगर लेकर विदा हुए।

करनाल (हरियाणा) में आर्य युवक निर्माण शिविर शानदार सफलता से सम्पन्न

करनाल में राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य का अभिनन्दन करते नरेन्द्र आहुजा विवेक,जिला अध्यक्ष अजय आर्य, हरेन्द्र चौधरी, वेदप्रकाश आर्य,रोशन आर्य,प्रान्तीय अध्यक्ष स्वतन्त्र कुकरेजा, ईश आर्य व सामने सभागार में आर्य युवक शिविरार्थी।

रविवार, 23 जून 2019, केन्द्रीय आर्य युवक परिशद् जिला करनाल के तत्वावधान में ''विशाल आर्य युवक चरित्र निर्माण शिविर'' आर्य समाज,सैक्टर–6,करनाल में सोल्लास सम्पन्न हुआ। श्री नरेन्द्र आहुजा 'विवेक' (ओषिधी नियन्त्रक,हरियाणा सरकार) मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने समारोह की अध्यक्षता की व करनाल शाखा के कार्यो की प्रशंसा की। आर्य केन्द्रीय सभा करनाल के प्रधान आनन्दसिंह आर्य, जिला अध्यक्ष अजय आर्य, महामन्त्री रोशन आर्य, उपप्रधान हरेन्द्र चौधरी, ईश आर्य (हिसार), सांसद धर्मपत्नि अन्जु भाटिया, सूरज गुलाटी, ओमप्रकाश सचदेवा, शान्तिप्रकाश आर्य, रामकुमार आर्य, अमित आर्य, हरीश मदान, बलबीर आर्य, सावित्री आर्या, सन्तोष आर्या, दिलबाग आर्य आदि के पुरुषार्थ से शिविर अत्यन्त सफल रहा। दिल्ली से वेदप्रकाश आर्य, प्रवीन आर्या, माधवसिंह आर्य, शिवम मि्श्रा आदि सम्मिलित हुए।

जयपुर में राजस्थान प्रान्तीय युवक निर्माण शिविर सम्पन्न

वीरवार 20 जून 2019, सार्वदेशिक आर्य युवक परिषद् राजस्थान के तत्वावधान में गत् 17 जून से चल रहे विशाल आर्य युवक चरित्र निर्माण शिविर का जी.एल. नर्सिग कालेज, जयपुर में भव्य समापन हो गया। चित्र में–सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा नई दिल्ली के कार्यकर्ता प्रधान सत्यव्रत सामवेदी का अभिनन्दन करते राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य, प्रान्तीय अध्यक्ष यशपाल यश व प्रवीन आर्या,डा.प्रमोदपाल आर्य आदि। बहरोड़ से रामकृष्ण शास्त्री,डा.पंकजसिंह,सुनील अरोड़ा,दिल्ली से प्रवीन आर्या,माधवसिंह आर्य,शिवम मिश्रा आदि भी उपस्थित थे।

जीन्द हरियाणा में आर्य युवक चरित्र निर्माण शिविर सम्पन्न

बुधवार, 19 जून 2019,केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् हरियाणा के तत्वावधान में गत 13 जून से चल रहे विशाल आर्य युवक चरित्र निर्माण शिविर का राजकीय विद्यालय,जीतगढ़,जीन्द में सोल्लास समापन हो गया। चित्र में विद्यालय के प्रधानाचार्य रविन्द कुमार आर्य का अभिनन्दन करते अनिल आर्य,प्रधान शिक्षक सूर्यदेव आर्य, वीरेन्द्र आर्य, संजय शर्मा, सरपंच बबली शर्मा आदि। स्वामी रामवेश जी ने भी अपना आशीर्वाद प्रदान किया । प्रवीन आर्या(दिल्ली) के मधुर भजन हुए।

आर्यो को बदनाम करने की साजिश

प्रयाग अकबर द्वारा लिखी पुस्तक पर तैयार लीला सीरीयल आर्यो के इतिहास को बदनाम कर रहा है अतः केन्द्र सरकार से मांग इस पर शीघ्र प्रतिबन्ध लगाये

महेन्द्रगढ़ हरियाणा के नांगल चौधरी में आर्य युवक शिविर सम्पन्न

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् जिला महेन्द्रगढ के तत्वावधान में आर्य युवक चरित्र निर्माण शिविर दिनांक 21 जून से 27 जून 2019 तक श्री दयाराम यादव की अध्यक्षता में सरस्वती सी. सै. स्कुल, भोजावास, नांगल चौधरी, महेन्द्रगढ़ में सम्पन्न हुआ। चित्र में—राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य का स्वागत करते परिषद् के राजस्थान प्रान्तीय अध्यक्ष रामकृष्ण शास्त्री, रामानन्द आर्य (प्रधान, आर्य समाज, बहरोड़), जिला अध्यक्ष हिमांशु आर्य। विधायक डा. अभयसिंह यादव, अजीत आर्य, धर्मवीर आर्य, सत्यव्रत आर्य, मनीष आर्य, विक्रम आर्य आदि उपस्थित थे। कुशल संचालन नसीब आर्य ने किया।

जम्मु में महिला सिलाई प्रशिक्षण शिविर सम्पन्न व यमुना नगर में आर्य युवा सम्मेलन सम्पन्न

समाज निर्माण में आर्य समाज की सदैव अग्रणी भूमिका—राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

जम्मू, रविवार 30 जून 2019, आर्य समाज जानीपुर कॉलोनी जम्मू में छः महीने का महिला सिलाई प्रशिक्षण शिविर चलाया गया जिसमें 35 महिलाओं ने सिलाई प्रशिक्षण प्राप्त किया। जिसमें श्रीमती पूनम खजुरिया ने प्रशिक्षण दिया गया। अब यह महिलाएं स्वालम्बी होकर घर के व बाहर के भी कार्य कर पायँगी। आज शिविर के समापन समारोह में प्रमाण पत्र वितरण किये गए। समारोह के मुख्य अतिथि दिल्ली से पधारे केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा की आर्य समाज समाज के निर्माण में सदैव अग्रणी रहता है। यह महिलाएं स्वालम्बी होकर अब घर मे कार्य करके बचत करंगी उसके साथ ही परिवार का सहारा भी बनेगी। उन्होंने कहा की आर्य समाज शिक्षा के क्षेत्र, महिला उत्थान हो या युवा निर्माण हर क्षेत्र में आगे रहता है। आर्य समाज जानीपुर का यह कार्य अत्यंत प्रशंसनीय है। समारोह की अध्यक्षता परिषद के प्रांतीय महामंत्री रमेश खजूरिया ने की व संचालन आचार्य वेदांशु ने किया। आर्य समाज के प्रधान सुभाष बब्बर ने शुभकामनाएं प्रदान की। इस अवसर पर कपिल बब्बर, प्रवीन आर्या, रूही बब्बर,पूनम खजूरिया, ऋत्विक आर्य आदि उपस्थित थे। द्वितीय चित्र में केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् यमुना नगर,हरियाणा के तत्वावधान में दिनांक 28,29 व 30 जून 2019 को तीन दिवसीय आर्य युवा प्रेरणा सम्मेलन,सत्यार्थ भवन,यमुना नगर में स्वामी सच्चिदानन्द जी के सान्निध्य में किया गया । कुशल संचालन जिला अध्यक्ष सौरभ आर्य ने किया।

जम्मु के पूर्व भाजपा अध्यक्ष सत शर्मा व आर्य नेता अरूण आर्य का अभिनन्दन

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् जम्मु कश्मीर के शिविर समापन पर रामलीला मैदान,जानीपुर कालोनी में पूर्व विधायक सत शर्मा का अभिनन्दन करते अनिल आर्य,पार्षद सुनीता गुप्ता,आचार्य विद्याभानु शास्त्री, सुभाष बब्बर, मनोहर बब्बर, सुरेन्द्र शर्मा व संयोजक रूही बब्बर। द्वितीय चित्र—अरूण आर्य (सभा मन्त्री, जम्मु कश्मीर) के अभिनन्दन का सुन्दर द्रश्य।

उड़ीसा में आर्य युवक चरित्र निर्माण शिविर व पलवल में आर्य युवक शिविर सम्पन्न

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् उड़ीसा के तत्वावधान में आर्य युवक चरित्र निर्माण शिविर दिनांक 10 मई से 17 मई 2019 तक गुरूकुल वेद व्यास, राउरकेला,उड़ीसा में सम्पन्न हुआ। प्रान्तीय अध्यक्ष पं.धनेश्वर बेहरा ने कुशल संचालन किया। द्वितीय चित्र में आर्य युवक परिषद् हरियाणा के तत्वावधान में जीवन ज्योति स्कुल पलवल में दिनांक 3 जून से 9 जून 2019 तक विशाल आर्य युवक शिविर सम्पन्न हुआ। मंच पर शिविर अध्यक्ष स्वामी श्रद्धानन्द जी सम्बोधित करते हुए।

अपील: केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के कार्य व गतिविधियों में सहयोग करने हेतु खाता सं. 10205148690 स्टेट बैंक आफ इण्डिया, घन्टाघर, दिल्ली—110007, आई.एफ.एस.कोड -SBIN0001280 पर सीधे भेज कर हमें फोन न. 9868002130 पर एस.एम.एस कर दें जिससे रसीद भेजी जा सके। अग्रिम धन्यवाद सहित। — अनिल आर्य, मो. 9868051444

आर्यन अभिनन्दन समारोह-2019

(1) वैदिक वाङमय पर विशिष्ट कार्य कर चुके विद्वान एवं विदुषियां। (2) राष्ट्रपति अथवा किसी सरकार द्वारा सम्मानित आर्य विद्वान एवं विदुषियां। (3) आर्य वीरदल एवं वीरांगना दल को शिक्षित करने वाले शिक्षक-शिक्षिकाएं। **पूर्ण विवरण सहित भेजें-** सितम्बर मास में दिल्ली में सम्मान समारोह सम्पन्न होगा। अपना पूर्ण परिचय निम्न पते पर शीघ्रतिशीघ्र भेजने की कृपा करें। **ठाकुर विक्रम सिंह ट्रस्ट,** ए-41, द्वितीय फ्लोर, लाजपत नगर-द्वितीय, (निकट-मेट्रो स्टेशन), नई दिल्ली-110024, फोन-011- 29842527, 011-45791152, 9599107207, E-mail:rashtranirmanparty@gmail.com

सम्पादक: **अनिल कुमार आर्य** द्वारा केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के लिए **मंयक प्रिटर्स**, 2199/63, नाईवाला, करोलबाग, दिल्ली-5 दूरभाष : 41548503 मो. : 9810580474 से मुद्रित व परिषद् कार्यालय आर्य समाज टी-176-177, कबीर बस्ती, दिल्ली-7 से प्रकाशित, **प्रबन्धक :** दिनेश आर्य, मोबाइल : 9911587765, देवेन्द्र भगत, मोबाइल : 09958889970